PRGI. No.: MHMUL/25/A2419

प्यूपिल्स टाइम्स

PUPILS TIMES

Volume : 1 | Issue : 9 | Mumbai | Friday, 3 April to 9 April 2026 | Weekly | Pages: 8 | Price : 3 Rs.

कॉलेज कैंपस पूरी तरह से नशा मुक्त होंगे - मुख्यमंत्री

मुंबई - महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की यह घोषणा निश्चित रूप से बेहद सराहनीय है कि राज्य के महाविद्यालयीन परिसरों को पूरी तरह से ड्रग्समुक्त बनाया जाएगा, इसके लिए पुलिस महानिदेशक स्तर पर नई रणनीति तैयार की जा रही है और शैक्षणिक संस्थानों में नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

अभी दो दिन पहले ही खबर आई थी कि मुंबई कस्टम्स जोन-3 ने नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब 1079 करोड़ रुपए कीमत के एनडीपीएस ड्रग्स को नष्ट किया है.

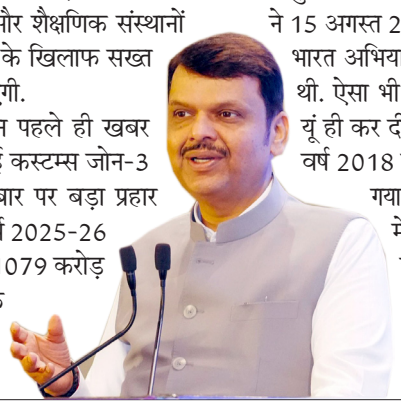

दरअसल पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ राज्य ही नहीं बल्कि देशभर में ड्रग्स तस्करों ने अपना जो जाल फैलाया है, वह बेहद चिंताजनक है. ऐसा भी नहीं है कि सरकार को इसकी जानकारी नहीं है या वह इस बारे में कुछ कर नहीं रही है. केंद्र सरकार ने 15 अगस्त 2020 को ही नशामुक्त भारत अभियान की घोषणा कर दी थी. ऐसा भी नहीं कि यह घोषणा यूं ही कर दी गई हो. इसके पहले वर्ष 2018 में एक सर्वेक्षण किया गया जिसकी रिपोर्ट 2019 में आई और निष्कर्ष चौंकाने वाले थे. पता चला कि 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं जिनमें से 5.7 करोड़ से ज्यादा लोग गंभीर स्थिति में हैं. दूसरे स्थान पर भांग है जिसका सेवन करीब 3.1 करोड़ लोग करते हैं. करीब 25 लाख लोग गंभीर लत से पीड़ित हैं. लगभग 2.26 करोड़ लोग अफीम खाते हैं जिनमें 77 लाख लोग गंभीर हालत में हैं. करीब 8.5 लाख लोग नसों में इंजेक्शन के माध्यम से नशीली दवाएं लेते हैं. इतना ही नहीं, सूंघ कर नशा करने वालों की संख्या भी बहुत ज्यादा है. इस रिपोर्ट के आधार पर ही योजना बनी और नशे के सौदागरों की नकेल कसने का काम प्रारंभ हुआ. हालांकि ड्रग्स तस्करों का सफाया करना इतना आसान काम नहीं है, क्योंकि सीमा पार की ताकतों का वरदहस्त उन्हें प्राप्त है. फिर भी सरकार पूरी शक्ति से उन पर प्रहार करने में जुटी हुई है.

जल्दी खत्म हो जाएगा मिडिल ईस्ट युद्ध

हम ज्यादा समय तक वहां नहीं रहेंगे – ट्रंप

नई दिल्ली - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने मिडिल ईस्ट में बीते एक महीने से छिड़े युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप का दावा है कि ये युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'जैसे ही अमेरिकी सेनाएं इस इलाके से हटेंगी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अपने आप फिर से खुल जाएगा।' ट्रंप ने न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए फोन इंटरव्यू में कहा, 'हम अब वहां ज्यादा समय तक नहीं रहेंगे। हम अभी उन्हें पूरी तरह से तबाह कर रहे हैं, यह पूरी तरह से खात्मा है।'

ट्रंप ने आगे कहा, 'हमें वहां ज्यादा समय तक रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी, हालांकि हमें उनके हमलों को रोकने के मामले में अभी और काम करना है। उनके पास जो भी हमला करने की क्षमता बची है, उसे खत्म करना है।'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'खैर, मुझे लगता है कि यह अपने आप खुल जाएगा, लेकिन मेरा नजरिया यह है कि मैंने उस देश को पूरी तरह तबाह कर दिया है। उनके पास अब कोई ताकत नहीं बची है।' ट्रंप ने आगे कहा, जो देश इस स्ट्रेट का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन्हें जाकर इसे खोलना चाहिए, क्योंकि मुझे लगता है कि जो भी तेल को कंट्रोल कर रहा है, वह स्ट्रेट को खोलने में बहुत खुश होगा।

मुंबई को मिली नई बीएमसी कमिश्नर

अश्विनी भिड़े के हाथों में सौंपी गई कमान

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - मुंबई महानगरपालिका को नई कमिश्नर मिल गई हैं. महाराष्ट्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े को बीएमसी की नई कमिश्नर नियुक्त किया है. प्रशासनिक अनुभव और सख्त कामकाज शैली के लिए पहचानी जाने वाली अश्विनी भिड़े को सरकार के भरोसेमंद और मजबूत चेहरों में से एक है.

अश्विनी भिड़े मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की करीबी आईएएस अधिकारियों में शामिल रही हैं.

इससे पहले वह मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, जहां उन्होंने अहम प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभाली थीं. मुंबई के महत्वाकांक्षी भूमिगत मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालते हुए अश्विनी भिड़े ने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

उनके नेतृत्व में परियोजनाओं की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को लेकर उनकी कार्यशैली को काफी सख्त माना गया. इसके अलावा, बीएमसी में एडिशनल कमिश्नर के रूप में भी उनका कार्यकाल रहा है, जिससे उन्हें नगर प्रशासन, शहरी व्यवस्था और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली की गहरी समझ है. उनके इसी अनुभव को देखते हुए उन्हें मुंबई महानगरपालिका जैसे अहम संस्थान की कमान सौंपी गई है.

बीएमसी ने एआय का इस्तेमाल करके रु. 15 करोड़ बचाए

मुंबई - पिछले साल, बीएमसी ने कॉन्ट्रैक्टर के किए गए स्टॉर्मवॉटर ड्रेन डीसिल्टिंग के काम को मॉनिटर करने के लिए खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल का इस्तेमाल करके करीब 15 करोड़ रुपये बचाए। पिछले साल से, कॉन्ट्रैक्टर को डीसिल्टिंग और सिल्ट डंपिंग से पहले, उसके दौरान और बाद की फोटो और वीडियो अपलोड करने के साथ-साथ लाइव साइट लोकेशन भी अपलोड करनी होती है। एआय प्लेटफॉर्म को बीएमसी की बनाई एजेंसी ने करीब 25,00,000 रुपये की लागत से बनाया था। एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर अभिजीत बांगर ने कहा, SWD डीसिल्टिंग एंट्री में इंसानी दखल को कम करने और मॉनिटरिंग और ट्रांसपेरेंसी बढ़ाने के लिए अक को शुरू किया गया है।

अगर फोटो/वीडियो अपलोड नहीं किए जाते हैं, या अक उन्हें वेरिफाई नहीं करता है, तो ट्रिप को अधूरा माना जाता है, और कॉन्ट्रैक्टर को इसके पैसे नहीं मिलते हैं। एआय फोटो/वीडियो घोस्टिंग को एक्सेप्ट नहीं करता है। जब कॉन्ट्रैक्टर को यह बताया गया, तो उन्होंने भी इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई, और उन्हें ऐसी ट्रिप के पैसे नहीं मिले हैं। कमोबेश, ये उल्लंघन 24 वार्ड में पाए गए, बांगर ने कहा। अधिकारी ने आगे कहा कि कई सिस्टम एक्टिव पाए गए, जो एक साथ खास साइटों पर केंद्रित थे, जो कि गड़बड़ पाया गया। बाद में पता चला कि इंजीनियरों/कॉन्ट्रैक्टर ने अपने ऑफि स से फोटो/वीडियो अपलोड किए, जबकि उन्हें साइट से ऐसा करने के लिए कहा गया था। सिल्ट डंपिंग ग्राउंड भी जियो-टैग किए गए हैं।

सरकार ने बढ़ाई ई-केवाईसी की अंतिम तारीख

▪ महाराष्ट्र की 'लाडली बहनों' के लिए मुसीबत ▪ बंद किए गए 68 लाख खाते, ई-केवाईसी नहीं है तो जल्द कराएं

मुंबई - महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन योजना' से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है. इस योजना के तहत करीब 68 लाख लाभार्थियों के खाते बंद कर दिए गए हैं. इसकी वजह यह बताई गई है कि इन लोगों ने समय सीमा के अंदर अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की.

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस योजना में कुल 2.43 करोड़ खाते रजिस्टर थे. लेकिन इनमें से लगभग 68 लाख खातों ने तय समय यानी 31 मार्च तक ई-केवाईसी नहीं कराया. जिसके चलते उन्हें अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया. अब योजना में सक्रिय खातों की संख्या घटकर करीब 1.75 करोड़ रह गई है.

ई-केवाईसी यानी ऑनलाइन ग्राहक सत्यापन एक जरूरी प्रक्रिया है, जिसके जरिए सरकार यह सुनिश्चित करती है कि योजना का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे.

इसी कारण सभी लाभार्थियों के लिए यह प्रक्रिया समय पर पूरी करना अनिवार्य किया गया था. हालांकि, सरकार ने लोगों को राहत देते हुए ई-केवाईसी की अंतिम तारीख को बढ़ा दिया है. अब लाभार्थी 30 अप्रैल तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं. अधिकारियों का कहना है कि जो लोग इस नई समय सीमा के भीतर अपनी जानकारी अपडेट कर देंगे, उनके खाते फिर से सक्रिय किए जा सकते हैं. सरकार का मानना है कि इस कदम से योजना में पारदर्शिता बढ़ेगी और फर्जी या निष्क्रिय खातों को हटाया जा सकेगा. वहीं, जिन लोगों के खाते बंद हुए हैं, उनसे अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपनी ई-केवाईसी पूरी करें, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिलता रहे. इस फैसले के बाद लाभार्थियों में चिंता भी देखी जा रही है, लेकिन समय सीमा बढ़ने से उन्हें एक और मौका मिल गया है.

प्यूपिल्स टाइम्स

संपादकीय

भारत-खाड़ी संबंध से परस्पर निर्भरता पर आधारित...

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई के राष्ट्रपति रहे शेख जायद बिन मोहम्मद के निमंत्रण पर मई 1981 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस खाड़ी देश का दौरा किया था। करीब 45 वर्ष पहले हुई इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने सहमति जताई थी कि खाड़ी क्षेत्र और भारत की सुरक्षा एवं कल्याण की कड़ियां आपस में जुड़ी हुई हैं। समय के साथ यह धारणा और मजबूत ही हुई कि दोनों क्षेत्रों की सुरक्षा और समग्र कल्याण परस्पर निर्भर हैं। एक ऐसे समय जब ईरान युद्ध के चलते समूचे क्षेत्र में अशांति बढ़ने से पूरे समीकरण बदल गए हैं तो यह विचार और प्रासंगिक हो गया है। अरब प्रायद्वीप में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, यूएई और ओमान जैसे छह प्रमुख देश हैं। यहां दक्षिण एशियाई देशों की बड़ी प्रवासी जनसंख्या रहती है। इनमें से भी सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है, जिनकी तादाद नब्बे लाख से एक करोड़ के बीच है। पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों की संख्या भी पचास लाख से अधिक है। नेपाल और श्रीलंका के भी लाखों लोग यहां हैं। ये लोग इन देशों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये लोग पेशेवर, कार्यकारी और प्रबंधकीय से लेकर अर्धकुशल और सामान्य श्रमिक जैसी भूमिकाओं में सक्रिय हैं। यह कहना एकदम सही होगा कि भले ही खाड़ी देशों में यूरोपीय प्रवासी भी रहते हों, लेकिन उनका काम दक्षिण एशियाई विशेष रूप से भारतीयों के बिना नहीं चल सकता। काम से जुड़ा भारतीयों का कौशल और भरोसा उन्हें इन देशों में व्यापक रूप से स्वीकार्य बनाता है। जितना खाड़ी के देशों को प्रवासियों की आवश्यकता है, उतनी ही उन्हें भी है, क्योंकि वे अपने देश को भारी मात्रा में धनराशि भेजते हैं। रेमिटेंस कही जाने वाली यह धनराशि इन देशों के वृहद आर्थिक स्थायित्व में संतुलन की भूमिका और बाहरी झटकों से बचाने में उपयोगी होती है। भारत के चालू खाते के लिए यह राशि बड़ा योगदान देती है, लेकिन मौजूदा हालात में पाकिस्तान के लिए यह अस्तित्व का संकट पैदा कर सकती है, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था पहले से ही नाजुक बनी हुई है। राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित बांग्लादेश के लिए भी रेमिटेंस की अहमियत कहीं ज्यादा बढ़ गई है। वृहद आर्थिक स्थिरता के अलावा खाड़ी देशों में कार्यरत लोगों द्वारा भेजे जाने वाला रेमिटेंस उनके स्वजनों के लिए भी बहुत आवश्यक है, क्योंकि अधिकांश परिवारों की योजनाएं इसी भेजी गई राशि के आधार पर टिकी होती हैं। उसके अभाव में उनके परिवारों का भविष्य अधर में भी लटक सकता है। रेमिटेंस के अलावा खाड़ी देश भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। पाकिस्तान और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए तो खाड़ी देशों की महत्ता और भी अधिक है। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारत कच्चे तेल और गैस की आवश्यकताओं का आधे से अधिक हिस्सा इन देशों से आयात करता है।

डिजिटल लत के कारण हर साल जान गंवाते हैं 20 हजार बच्चे

- टीएमसी सांसद ने राज्यसभा में जताई चिंता
- हर साल 20 हजार बच्चे डिजिटल लत से करते हैं आत्महत्या
- स्क्रीन टाइम कम करने और नींद सुधारने के सुझाव दिए

नई दिल्ली - तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने बच्चों और युवाओं में बढ़ती डिजिटल लत की समस्या पर चिंता जताई। उच्च सदन में शून्य काल में यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने चेताया कि डिजिटल लत के कारण हर साल लगभग 20 हजार बच्चे आत्महत्या कर लेते हैं।

उन्होंने सरकार से इस संकट का तत्काल समाधान करने की मांग की। डेरेक ने कहा कि अध्ययनों से पता चलता है कि बच्चे और युवा प्रतिदिन आठ घंटे तक स्क्रीन और मोबाइल फोन पर बिता रहे हैं। यह साल में 100 दिनों से अधिक के बराबर है। उन्होंने बताया कि 68 देशों ने पहले ही स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेरेक ने कहा, स्क्रीन पर अत्यधिक समय बिताने से नींद का पैटर्न बिगड़ता है, और मनोदशा में बदलाव आता है। डेरेक ने इस समस्या के समाधान के लिए सुझाव भी दिए।

डिजिटल लत से बचने के लिए डेरेक के सुझाव

- फोन उठाने से पहले खुद से पूछें कि फोन क्यों उठा रहे हैं
- फोन को छूने से पहले दस तक गिनती गिनें
- उपकरणों को एक अलग कमरे में चार्ज करना
- सोने से कम से कम दो घंटे पहले स्क्रीन से बचें

महाराष्ट्र सरकार नाबालिगों के लिए सोशल मीडिया पॉलिसी बनाएगी

मुंबई - बच्चों पर डिजिटल टेक्नोलॉजी के असर को लेकर बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए, महाराष्ट्र सरकार नाबालिगों के बीच सोशल मीडिया के इस्तेमाल को रेगुलेट करने के लिए एक पूरी पॉलिसी बनाने वाली है। यह सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग के असर की स्टडी करने वाली एक एक्सपर्ट टास्क फोर्स के नतीजों पर आधारित होगी।

यह घोषणा राज्य के इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्टर आशीष शेलार ने पिछले हफ्ते राज्य असेंबली में की थी। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने की घोषणा की है, लेकिन अभी तक कोई पूरा कानून लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने इस मुद्दे की गहराई से जांच करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाकर गंभीरता से काम किया है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 18 साल से कम उम्र के लोगों के लिए मोबाइल फोन या सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह बैन लगाना सही नहीं होगा, क्योंकि पढ़ाई में इंटरनेट की अहमियत है। एक बैलेंस्ड तरीका जरूरी है। बाद में, राज्य सरकार ने नाबालिगों के बीच सोशल मीडिया के इस्तेमाल के बढ़ते असर की जांच करने और उनकी भलाई के लिए रेगुलेटरी और पॉलिसी उपायों की सिफारिश करने के लिए एक हाई-लेवल टास्क फोर्स बनाई।

25 मार्च को जारी सरकारी प्रस्ताव के मुताबिक, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) का यह फैसला, फाइनेंस मिनिस्ट्री के हालिया इकोनॉमिक सर्वे में बताई गई बढ़ती चिंताओं के बीच आया है। जीआर में बच्चों की मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर सोशल मीडिया के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के बुरे असर पर भी जोर दिया गया है। ऑफिशियल बयान के मुताबिक, महाराष्ट्र में 18 साल से कम उम्र के लगभग 4 करोड़ बच्चे हैं, जिससे यह मुद्दा राज्य के लंबे समय के सामाजिक और विकास के नतीजों के लिए बहुत जरूरी हो गया है।

इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी की रिपोर्ट में भी नाबालिगों में मेंटल हेल्थ की दिक्कतों में काफी बढ़ोतरी की ओर इशारा किया गया है, जिससे दखल की जरूरत और बढ़ गई है। जीआर के मुताबिक, राज्य सरकार ने नाबालिगों में सोशल मीडिया के इस्तेमाल के असर का पता लगाने, रेगुलेटरी कदम उठाने और राज्य-स्तरीय पॉलिसी बनाने के लिए 13 सदस्यों वाली एक एक्सपर्ट टास्क फोर्स भी बनाई है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा, 195 रुपये बढ़ाए गए दाम

नई दिल्ली - मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच वैश्विक तेल कीमतों में आई तेजी के चलते कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है. सरकारी तेल कंपनियों के मुताबिक, 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 2,078.50 रुपये हो गई है. इससे पहले 1 मार्च को 19 किलोग्राम सिलेंडर के दाम 114.50 रुपये बढ़ाए गए थे.

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क और विनिमय दर के आधार पर एलपीजी और विमानन ईंधन की कीमतों की समीक्षा करती हैं.

दरअसल, मिडिल ईस्ट में युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे वैश्विक तेल कीमतें करीब 50% तक बढ़ गई हैं. मिडिल ईस्ट संघर्ष शुरू होने के बाद से कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है.

इस बीच, पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं. मार्च पिछले वर्ष 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद से इनके दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है.

घरेलू गैस के दामों में कोई बदलाव नहीं

हालांकि, घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. घरेलू एलपीजी के दामों में 7 मार्च को 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर 60 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी. इसके बाद से दाम स्थिर हैं और दिल्ली में 14.2 किलोग्राम घरेलू सिलेंडर की कीमत 913 रुपये बनी हुई है.

आओ खेलें

1			5		4			9	3		E		G	7	A
	E		7		9	1		F		A	6	2	4		D
G	6	4	B				E	D	8		2	9		3	
F									C	5		B		1	
	5		C			D		B	2		9	8			
B	8			5	7				F	C					G
A			9	8			1	G	E		4		C		
		3		C		9	A					1			F
				9				7	6	G	C	D	2	E	5
5	1	7					D				B	C	8	F	6
		6	D		C	G		1			F	A	3		
			F		E	8		2		D	5				7
7	F		2		B	3				9	8		A		4
D	C	5	1	6			7	E				G			3
8				2	D				7		G	F	5		1
	4		6		G	5	F		1		3		D	8	B

प्यूपिल्स टाइम्स

क्लाइमेट एक्शन को मिलेगा नया आधार

मीथेन मॉनिटरिंग का ग्लोबल प्लान

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - दुनिया जिस जलवायु संकट से जूझ रही है, उसमें एक ऐसी गैस की भूमिका तेजी से सामने आ रही है जो न दिखाई देती है, न महसूस होती है, लेकिन पृथ्वी के तापमान को तेजी से बढ़ाने की क्षमता रखती है। यह गैस है–मीथेन। अब तक जलवायु परिवर्तन की चर्चा मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड तक सीमित रही, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर तुरंत प्रभाव दिखाने वाले उपायों की बात की जाए, तो मीथेन पर नियंत्रण सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है, जो वातावरण में अपेक्षाकृत कम समय तक रहती है, लेकिन उस दौरान यह गर्मी को बहुत अधिक मात्रा में रोकती है। यही कारण है कि इसके उत्सर्जन में कमी लाकर कम समय में जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा किया जा सकता है। यह गैस मुख्यतः तेल और गैस उद्योग, कोयला खनन, पशुपालन और कचरा प्रबंधन से निकलती है। इन क्षेत्रों में छोटे-छोटे रिसाव भी मिलकर बड़े संकट का रूप ले लेते हैं। समस्या यह रही है कि मीथेन को सीधे देख पाना संभव नहीं है और लंबे समय तक इसके उत्सर्जन का सही आकलन भी नहीं हो पाया। कई बार वास्तविक उत्सर्जन और आधिकारिक आँकड़ों में बड़ा अंतर पाया गया। इसी चुनौती ने वैज्ञानिकों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक ऐसी प्रणाली विकसित करने के लिए प्रेरित किया, जो मीथेन के उत्सर्जन को सटीक और पारदर्शी तरीके से माप सके।

यहीं से शुरू होता है 'ग्लोबल मीथेन मॉनिटरिंग' का विचार। अब आधुनिक उपग्रह तकनीक की मदद से पृथ्वी के विभिन्न हिस्सों में मीथेन की मात्रा को मापा जा रहा है। ये उपग्रह न केवल बड़े

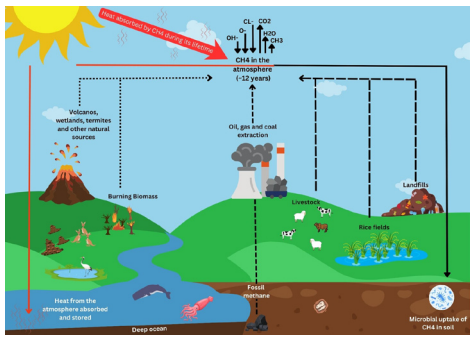

उत्सर्जन स्रोतों की पहचान करते हैं, बल्कि छोटे रिसावों को भी पकड़ सकते हैं। इससे पहली बार यह संभव हुआ है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में हो रहे उत्सर्जन पर नजर रखी जा सके।

इस दिशा में United Nations Environment Programme की पहल भी महत्वपूर्ण है, जिसने एक वैश्विक तंत्र विकसित किया है जो अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों को एक साथ लाकर विश्लेषण करता है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि उत्सर्जन कहाँ से हो रहा है और उसे कैसे कम किया जा सकता है। यह प्रणाली केवल निगरानी तक सीमित नहीं है, बल्कि सुधार की दिशा में कार्रवाई को भी प्रेरित करती है।

मीथेन का एक और गंभीर पहलू यह है कि यह जलवायु प्रणाली में एक चक्र को जन्म देती है। तापमान बढ़ने पर कुछ प्राकृतिक स्रोतों से मीथेन का उत्सर्जन और बढ़ जाता है, जिससे तापमान और ऊपर चला जाता है। इस प्रकार यह एक खतरनाक चक्र बन जाता है, जिसे समय रहते रोकना जरूरी है। ग्लोबल मीथेन मॉनिटरिंग सिस्टम इस चुनौती से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। इसके माध्यम से सरकारों और संस्थाओं को सटीक जानकारी मिलती है, जिससे वे प्रभावी नीतियाँ बना सकें। साथ ही, यह वैश्विक स्तर पर सहयोग को भी बढ़ावा देता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या का समाधान अकेले संभव नहीं है।

अंततः, मीथेन पर नियंत्रण केवल पर्यावरण की रक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि मानव भविष्य की सुरक्षा का विषय है। यदि इस दिशा में ठोस और सामूहिक प्रयास किए जाएँ, तो यह पहल जलवायु संकट के समाधान की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध हो सकती है।

रील स्टार और बिल्डर गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा और 3.52 लाख के नकली नोट जब्त

कल्याण - एक बड़े ऑपरेशन में, ठाणे क्राइम ब्रांच (यूनिट-3, कल्याण) ने एक बदनाम 55 साल के हिस्ट्रीशीटर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी, सुरेंद्र पांडुरंग पाटिल को गिरफ्तार किया है। उनके लग्जरी घर में गैर-कानूनी हथियारों और नकली करेंसी का एक बड़ा जखीरा छिपा हुआ मिला।

एक कॉन्फिडेंशियल टिप-ऑफ पर, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सरजेराव पाटिल की लीडरशिप में एक टीम ने पाटिल के घर, एकवीरा बंगलो पर एक स्ट्रेटेजिक रेड की, जो डॉवडी, डोंबिवली (ईस्ट) में श्री धनलक्ष्मी अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में है।

तलाशी में एक छिपे हुए बेडरूम के अंदर एक वॉर्डरोब में बना एक सोफिस्टिकेटेड, सीक्रेट कम्पार्टमेंट मिला, जिसमें पांचवीं मंज़िल की छत पर एक शू रैक के पीछे एक छिपे हुए एंट्री से पहुंचा जा सकता था। इस 'मिनी-आर्मरी' से पुलिस को ये चीजें मिलीं: सुरेंद्र पांडुरंग पाटिल, जो पेशे से एक कंस्ट्रक्शन बिजनेसमैन हैं, एक इंस्टाग्राम 'रील स्टार' के तौर पर मशहूर हो चुके हैं। हालांकि, उनकी डिजिटल शोहरत उनके लंबे समय के क्रिमिनल हिस्ट्री को छिपाती है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पाटिल एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ मनपाड़ा, कोल्शेवाड़ी, डोंबिवली और महात्मा फुले चौक सहित विभिन्न स्टेशनों पर एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं।

देशभर के श्रेष्ठ हेल्थकेयर मॉडल का अध्ययन कर सुधार की तैयारी – हेल्थ मिनिस्टर

मुंबई - हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश अबितकर ने एक इवेंट में बोलते हुए कहा कि राज्य के हर वर्कर को एम्प्लॉई स्टेट इंश्योरेंस स्कीम का फायदा मिलना चाहिए। अबितकर ने कहा कि राज्य में पब्लिक स्टेट सर्विस के लिए एरक्ष का काम बहुत जरूरी है।

प्रकाश अबितकर ने कहा, महाराष्ट्र का ESIC ऑपरेशन देश में सबसे अच्छा बनेगा। एम्प्लॉई को इन हॉस्पिटल को हेल्थ का मंदिर मानना चाहिए और पूरी लगन से सेवा करनी चाहिए। महाराष्ट्र स्टेट लेबर इंश्योरेंस सोसाइटी ने बहुत अच्छा काम करने वाले ऑफिसर और एम्प्लॉई के लिए एक सम्मान समारोह रखा। यह इवेंट अकुर्दी के जीडी मडगुलकर ऑडिटोरियम में हुआ। इस इवेंट में हेल्थ डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी ई. रवींद्रन, स्टेट लेबर इंश्योरेंस स्कीम के कमिश्नर रमेश चव्हाण, महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के CEO अन्नासाहेब चव्हाण, डिप्टी उएड डॉ. दयानंद जगताप, डायरेक्टर सोयम वायल, डॉ. अशोक थोराट और मोहननगर एरक हॉस्पिटल की मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. वर्षा सुपे वगैरह मौजूद थे।

मिनिस्टर अबितकर ने कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटल के साथ पार्टनरशिप करने और उन्हें पेमेंट करने के बजाय, सरकार अपने खुद के अच्छी सुविधाओं वाले हॉस्पिटल बनाने पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा, आम लोग अक्सर प्राइवेट हॉस्पिटल के बिल देखकर परेशान हो जाते हैं; उन्हें इस चिंता से राहत दिलाने के लिए, ESIC हॉस्पिटल का नेटवर्क बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही एक अपडेटेड ऑर्गेनाइजेशनल स्ट्रक्चर (आकृतिबंध) को मंजूरी दी जाएगी ताकि जरूरी मैनपावर मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने गारंटी दी कि ट्रांसफर प्रोसेस ग्रुप काउंसलिंग के जरिए ट्रांसपेरेंट तरीके से किया जाएगा। यह पक्का करने के लिए कि महाराष्ट्र हेल्थकेयर सेक्टर में सबसे आगे रहे, हेल्थ डिपार्टमेंट की एक स्पेशल टीम बनाई जाएगी।

यह टीम देश भर के अलग-अलग राज्यों में जाकर उनके हेल्थ सेक्टर में सबसे अच्छी पहलों की स्टडी करेगी और महाराष्ट्र में भी ऐसी ही फैसिलिटी बनाने के लिए सुझाव देगी। अबितकर ने कहा, राज्य के पास फंड की कमी नहीं है; हमें बस अच्छी तरह से प्लान किए गए काम के सपोर्ट की जरूरत है।

मैसेजिंग एप्स पर सख्ती टली: व्हाट्सएप-टेलीग्राम यूजर्स को बड़ी राहत

सिम–बाइंडिंग नियम अब 31 दिसंबर तक टला

प्यूपिल्स टाइम्स संवाददाता

मुंबई - मोबाइल मैसेजिंग एप्स को लेकर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एप्स के लिए लागू होने वाला सिम-बाइंडिंग नियम 31 दिसंबर तक के लिए टाल दिया गया है। पहले यह नियम जल्दी लागू होने वाला था, लेकिन कंपनियों की मांग के बाद सरकार ने समय बढ़ा दिया। सरल भाषा में समझें तो सिम-बाइंडिंग का मतलब है कि आपका मैसेजिंग एप तभी चलेगा जब आपके फोन में एक एक्टिव (चालू) सिम कार्ड मौजूद होगा। अगर सिम हटा दिया गया या बंद हो गया, तो एप भी काम करना बंद कर सकता है। सरकार का कहना है कि इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी और फर्जी कॉल/मैसेज पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

सरकार ने पहले एक और नियम बनाया था कि व्हाट्सएप वेब या टेलीग्राम वेब जैसे वेब वर्जन पर यूजर को हर छह घंटे में लॉगआउट कर दिया जाएगा। लेकिन अब इस नियम को भी बदल दिया गया है। अब लॉगआउट एआई आधारित जोखिम जांच के आधार पर होगा। यानी अगर सिस्टम को कुछ संदिग्ध लगेगा तभी आपको लॉगआउट किया जाएगा, वरना बार-बार लॉगआउट नहीं होना पड़ेगा।

सरकार का मानना है कि अभी कई साइबर अपराधी ऐसे कमियों का फायदा उठाते हैं, जहां सिम हटाने या विदेश ले जाने के बाद भी एप्स चलते रहते हैं। इससे वे फर्जी कॉल, 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम, निवेश धोखाधड़ी और सरकारी अधिकारी बनकर ठगी जैसे अपराध करते हैं। सिम-बाइंडिंग से हर अकाउंट को एक केवाईसी वाले असली सिम से जोड़ना जरूरी होगा, जिससे ऐसे अपराधियों को ट्रैक करना आसान हो जाएगा।

हालांकि, इस फैसले का विरोध भी हुआ है। टेक कंपनियों के संगठन ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने इसे कानून के खिलाफ बताया है। उनका कहना है कि यह नियम मौजूदा कानून से बाहर है और असंवैधानिक भी हो सकता है। इसके अलावा एक सर्वे में यह भी सामने आया कि करीब 80% लोगों को लगता है कि इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और कामकाज पर असर पड़ सकता है। सर्वे के मुताबिक, भारत में कई लोग अपने फोन या सिम को परिवार के साथ शेयर करते हैं। ऐसे में अगर हर बार सिम की जरूरत होगी, तो कई बार एप इस्तेमाल करने में दिक्कत आ सकती है।

सरकारी नौकरियों की बहार 2026:

अभी भी खुले हैं सुनहरे अवसर

1. सशस्त्र सीमा बल (SSB) - 1060 पद
आवेदनः ssb.nic.in
अंतिम तिथिः 20 अप्रैल 2026
तैयारीः Physical Testः दौड़, लंबी कूद, हाई जंप
Written : GK, गणित, रीजनिंग
करंट अफेयर्स
2. हिमाचल प्रदेश TGT - 600 पद
आवेदनः hpsssb.hp.gov.in
अंतिम तिथिः 06 अप्रैल 2026
तैयारीः विषय + Pedagogy
Previous Papers
3. रेलवे अप्रेंटिस - 2801 पद
आवेदनः indianrailways.gov.in
अंतिम तिथिः 11 अप्रैल 2026
तैयारी : 10वीं + ITI मेरिट
डॉक्यूमेंट तैयार रखें
4. बोरिंग टेक्नीशियन भर्ती
आवेदनः राज्य वेबसाइट
अंतिम तिथिः 05 मई 2026
तैयारी : ITI/डिप्लोमा
Practical Knowledge
5. NIC – Scientist-B (243 पद)
आवेदनः nic.in
अंतिम तिथिः 24 अप्रैल 2026
तैयारी : CS/IT + Programming
GATE स्तर
6. NARL – JRF
आवेदनः narl.gov.in
अंतिम तिथिः 27 अप्रैल 2026
तैयारी : Physics + Research
7. बैंक ऑफ बड़ौदा - 104 पद
आवेदनः bankofbaroda.in
अंतिम तिथिः 16 अप्रैल 2026
तैयारीः Banking + Reasoning
8. ISRO — Scientist/Engineer
आवेदनः isro.gov.in
अंतिम तिथिः 12 अप्रैल 2026
तैयारी : Engineering Core
9. Nuclear Fuel Complex
आवेदनः nfc.gov.in
अंतिम तिथिः 18 अप्रैल 2026
तैयारी : Technical MCQs
10. DVC – Executive Trainee
आवेदनः dvc.gov.in
अंतिम तिथिः 10 अप्रैल 2026
तैयारीः GATE आधारित
11. UPCISB – 116 पद
आवेदन : राज्य पोर्टल
अंतिम तिथि : 15 अप्रैल 2026
तैयारी : GK + कंप्यूटर
2. APPSC TGT – 389 पद
आवेदन : psc.ap.gov.in
अंतिम तिथि : 27 अप्रैल 2026
तैयारी : Subject + Teaching
13. DGPM – Assistant Director
आवेदन : cbic.gov.in
अंतिम तिथि : 12 मई 2026
तैयारी : प्रशासनिक + इंटरव्यू
विशेष अपडेट
गुजरातः 11,000 शिक्षक भर्ती (15-24 अप्रैल)
इंडिया पोस्ट GDSः अगली मेरिट सूची जल्दसंयुक्त तैयारी रणनीति बेस
NCERT + Current Affairs
सप्ताह में 1 बार Pupils Times Practice
Weekly Mock Test
टाइम मैनेजमेंट
6-8 घंटे पढ़ाई
Physical
Defence हेतु फिटनेस
Golden Rule::
केवल वही job चुनें
जो आपकी योग्यता+लक्ष्य से मेल खाती हो
अंतिम निष्कर्ष
अभी भी कई महत्वपूर्ण भर्तियाँ खुली हुई हैं सही समय पर आवेदन = आधी सफलता
Focused तैयारी = चयन सुनिश्चित करने का रास्ता

देश में खुलेंगे 120 नए ड्राइविंग स्कूल

1 करोड़ युवाओं को मिलेगा रोजगार

नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

मुंबई - सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी। इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं। मंत्री ने कहा, हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इस पहल के माध्यम से हम एक करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे।सड़क

सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है। देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है। गडकरी ने कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण भारत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया। गडकरी ने कहा, पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं। हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है। हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026:

बदलते समीकरणों के बीच टीएमसी-भाजपा की सीधी टक्कर

पश्चिम बंगाल - पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 का माहौल पूरी तरह से चुनावी उत्साह और राजनीतिक सक्रियता से भर गया है। राज्यभर में सत्तारूढ़ India Trinamool Congress और मुख्य विपक्षी Bharatiya Janata Party के बीच सीधा और तीखा मुकाबला देखने को मिल रहा है। जनसभाओं, रैलियों और घर-घर संपर्क अभियानों के माध्यम से दोनों दल मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री Mamata Banerjee के नेतृत्व में टीएमसी विकास, कल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता को प्रमुख मुद्दा बनाकर जनता का समर्थन प्राप्त करने का प्रयास कर रही है, जबकि भाजपा Narendra Modi और Amit Shah के नेतृत्व में परिवर्तन, सुशासन और कानून व्यवस्था के मुद्दों को जोर-शोर से उठा रही है। उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही चुनावी समीकरण और स्पष्ट होने लगे हैं। टीएमसी ने अपनी सूची में बड़े स्तर पर बदलाव करते हुए कई मौजूदा विधायकों को बदला है, जिससे यह संकेत मिलता है कि पार्टी नए चेहरों के माध्यम से जनता के बीच नई ऊर्जा पैदा करना चाहती है। दूसरी ओर भाजपा ने भी बड़ी संख्या में उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें उल्लेखनीय रूप से युवा चेहरों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। इस चुनाव में Bankura विधानसभा क्षेत्र विशेष रूप से चर्चा में है, जहाँ से Gautam Mishra Shyam को टीएमसी ने उम्मीदवार बनाया है। उनके सामने भाजपा के Niladri Sekhar Dana, वाम दल Communist Party of India (Marxist) से जुड़े Debdulal Sarkar तथा Indian National Congress के Subrata Mukherjee जैसे प्रत्याशी मैदान में हैं, जिससे यह मुकाबला बहुकोणीय और अत्यंत रोचक बन गया है।

रबाले पुलिस का बड़ा ऑपरेशन

मॉर्निंग वॉक पर जा रही महिला की चेन चुराने वाला चोरों का गैंग गिरफ्तार

गौरव सिंह/नवी मुंबई

नवी मुंबई - रबाले पुलिस स्टेशन की क्राइम सप्रेशन टीम ने अपराधियों के एक गैंग को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है, जो मॉर्निंग वॉक से लौट रही बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाते थे और उनके गले से जबरदस्ती सोने के गहने खींच लेते थे। इस ऑपरेशन में पुलिस ने मुख्य आरोपी और चोरी का माल खरीदने वाले दो ज्वैलर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की है, और कुल 4,41,980 रुपये कैश जब्त किया है।

14 मार्च, 2026 को सुबह करीब 7:50 बजे, फिरदौसी अनीता राजकुमार गुप्ता (उम्र 54, निवासी घनसोली) अपनी सोसायटी में अपनी स्कूटी पार्क कर रही थीं, तभी पीछे से एक अनजान आदमी आया और उनके गले से जबरदस्ती 25 ग्राम सोने की चेन खींच ली। इस बारे में रबाले पुलिस स्टेशन में इठर सेक्शन 309(6), 317(1) के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपियों से जुर्म में इस्तेमाल की गई एक रॉयल एनफील्ड बुलेट (कीमत 1.50 लाख रुपये) और चोरी की हुई सोने की चेन (वजन 22.460 ग्राम, कीमत 2,91,980 रुपये) जब्त की है, जिसकी कुल कीमत 4,41,980 रुपये है। यह सफल ऑपरेशन सपोनि. दीपक खरात, पुलिस कांस्टेबल दर्शन कटके, मयूर सोनवणे, पुलिस नायक गणेश वीर, धनाजी भांगरे, पुलिस कांस्टेबल यादवराव घुले, मनोज देडे और महिला पुलिस कांस्टेबल सनस की टीम ने किया। रबाले पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सावधान रहें ताकि उनके इलाके में ऐसी घटनाएं न हों।

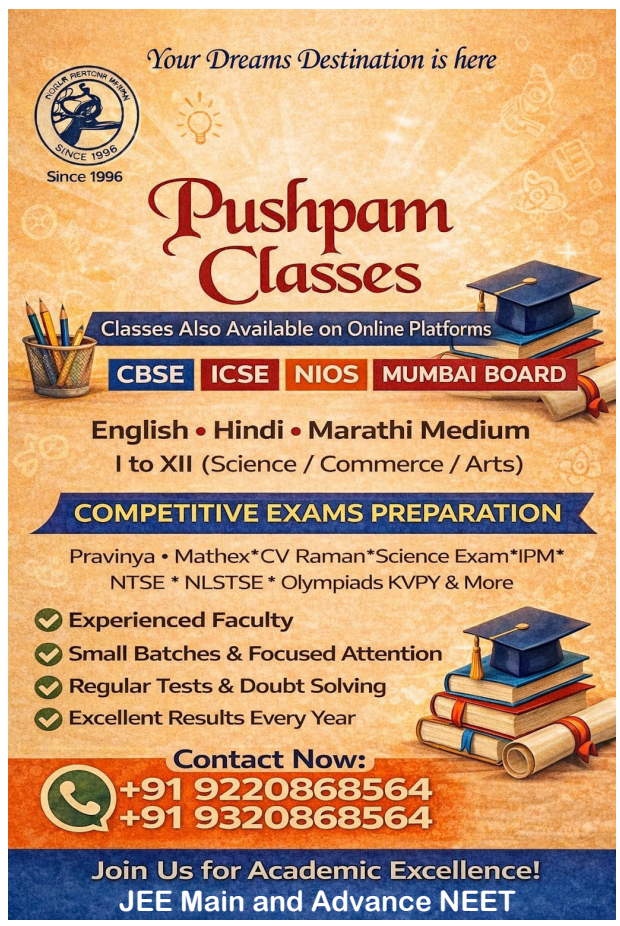

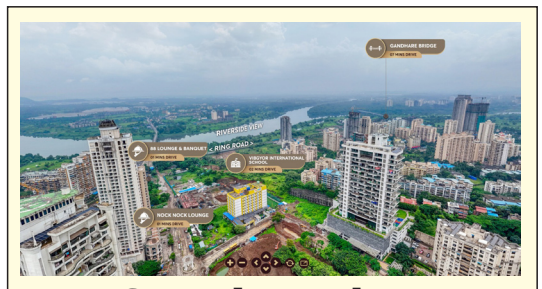

प्यूपिल्स टाइम्स

मुंबई बोर्ड के म्हाडा घरों के लिए आवेदन शुरू

मुंबई - महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) मुंबई बोर्ड के घरों की लॉटरी का इंतजार करने वालों के लिए खुशखबरी है। मुंबई बोर्ड के 2640 घरों की लॉटरी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सोमवार दोपहर 3 बजे से शुरू हो रही है। 15 मई को सुबह 11 बजे घरों की लॉटरी जारी होगी। म्हाडा उपाध्यक्ष संजीव जयसवाल द्वारा सोमवार दोपहर 3 बजे ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को गो लाइव किया जाएगा। संजीव के एक बटन दबाने के बाद से 2640 घरों को लेने की रेस शुरू हो जाएगी।

आवेदक 29 अप्रैल रात 11:59 बजे तक म्हाडा की वेबसाइट housing.mhada.gov.in से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 30 अप्रैल की रात 11:59 बजे तक आवेदक डिपॉजिट जमा कर दावेदारी पक्की कर सकते हैं। कन्नमवार नगर विक्रोली, पत्राचाल सिद्धार्थ नगर गोरेगांव, मागाठाणे- बोरीवली, गोराई-बोरीवली, सुभाष नगर-चेंबूर, गांधीनगर बांद्रा, पंतनगर घाटकोपर, गिरगांव, वडाला, कोपरी पवई, मझगांव, तुंगा पवई, लोकमान्य नगर दादर, पहाडी गोरेगाव, एंटॉप हिल वडाला के घरों को शामिल किया गया है। आवेदक म्हाडा की वेबसाइट से जानकारी ले सकते हैं। अत्यल्प आय वर्ग के 145 घर, अल्प आय वर्ग के 858 घर, मध्यम वर्ग के 1408 घर और उच्च वर्ग के 229 घरों को लॉटरी में शामिल किया गया है। मुंबई बोर्ड के तैयार किए जा रहे प्रॉजेक्ट के 1762 घर, 33(5) रीडिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट के तहत म्हाडा को प्राप्त हुए 371 घर, 33/7 योजना के तहत मिले 1-8 घरों को भी लॉटरी में शामिल किया गया है।

साथ-साथ सीखने वाला साथी: तुषार की याद में

आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं, फिर भी लिख रहा हूँ – क्योंकि अगर नहीं लिखूँगा तो भीतर का बोझ और भारी हो जाएगा। तुषार सदानंद माजलकर मेरे लिए यह सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि मेरे जीवन का एक ऐसा हिस्सा है, जिसे मैं चाहकर भी अलग नहीं कर सकता।

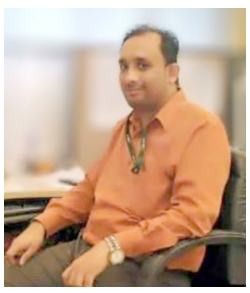

Manoj Mishra
(Executive Officer in the Accounts Department of Grinar Company)

तुषार का जन्म 16 दिसंबर 1980 को हुआ था, और 15 मार्च 2026 को उनके आकस्मिक निधन की खबर ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया। लगभग 45 वर्ष की आयु में इस तरह अचानक उनका चले जाना, हम सभी के लिए एक गहरा आघात है। यह उम्र जाने की नहीं होती – यह तो जीवन के सबसे सक्रिय और अनुभवपूर्ण पड़ावों में से एक होती है।

हम दोनों गिरनार कंपनी के अकाउंट्स डिपार्टमेंट में साथ काम करते थे। शुरूआत में हम सिर्फ सहकर्मी थे, लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता एक गहरी दोस्ती में बदल गया। अकाउंट्स का काम बेहद जिम्मेदारी और सूक्ष्मता मांगता है, और हम दोनों एक-दूसरे के साथ सीखते हुए आगे बढ़े।

तुषार ने मुझे सिखाया नहीं, बल्कि मेरे साथ मिलकर सीखा। यही हमारी दोस्ती की सबसे खास बात थी। हम दोनों कई बार किसी जटिल एंट्री, लेजर या बैलेंस शीट को लेकर बैठते और तब तक चर्चा करते रहते, जब तक समाधान न मिल जाए। वह कभी खुद को ज्यादा जानने वाला नहीं दिखाता था, बल्कि हर विषय को समझने की एक सच्ची जिज्ञासा रखता था।

फाइल शेयरिंग हो, डेडलाइन का दबाव हो या ऑडिट का समय – हम दोनों एक टीम की तरह काम करते थे। कई बार ऐसा लगता था कि बिना ज्यादा बोले ही हम एक-दूसरे की बात समझ लेते हैं। यह तालमेल समय के साथ अपने आप बना, और शायद यही कारण है कि उसके साथ काम करना हमेशा सहज लगा।

ऑफिस के काम के बीच-बीच में जो छोटी-छोटी बातें होती थीं – चाय के समय की हँसी, गिरनार कंपनी की हल्की-फुल्की गॉसिप – वही आज सबसे ज्यादा याद आती हैं। तुषार का स्वभाव बहुत शांत और सरल था। वह हर माहौल को सहज बना देता था, बिना किसी दिखावे के।

आज जब मैं उसी जगह बैठता हूँ, वही फाइलें खोलता हूँ, तो हर चीज में उसकी कमी साफ महसूस होती है। उसकी खाली कुर्सी जैसे हर दिन यह याद दिलाती है कि अब वह हमारे बीच नहीं है। अकाउंट्स डिपार्टमेंट में काम तो चल रहा है, लेकिन वह अपनापन और सहजता कहीं खो गई है।

तुषार ने भले ही मुझे सिखाया नहीं, लेकिन उसके साथ काम करते-करते मैंने बहुत कुछ सीखा – धैर्य, सरलता और हर समस्या को मिलकर सुलझाने का तरीका। वह एक अच्छा सहकर्मी ही नहीं, बल्कि एक सच्चा साथी था।

कुछ लोग अपने पीछे इतनी गहरी छाप छोड़ जाते हैं कि उनका जाना सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि एक स्थायी शून्य बन जाता है। तुषार भी मेरे जीवन में वही शून्य छोड़ गया है। समय के साथ बहुत कुछ बदल जाएगा, लेकिन उसकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज की अनीता आडवाणी की याचिका

राजेश खन्ना संग 'प्राइवेट शादी' का दावा करने वाली आडवाणी

मुंबई - दिवंगत सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ अपने रिश्ते को 'शादी' का दर्जा दिलाने की मांग कर रहीं अनीता आडवाणी को बड़ा कानूनी झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने

उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने 2017 में Dindoshi Civil Court द्वारा दिए गए फैसले को बरकरार रखा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डिंपल कपाड़िया, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की ओर से पेश दलीलों को भी सुना, जिसके बाद यह फैसला सुनाया गया। अनीता आडवाणी लंबे समय से यह दावा करती रही हैं कि उन्होंने राजेश खन्ना से निजी तौर पर शादी की थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनके घर के मंदिर में साधारण तरीके से यह रस्म हुई थी। उनके मुताबिक, राजेश खन्ना ने उन्हें मंगलसूत्र पहनाया, सिंदूर लगाया और उन्हें अपनी जिम्मेदारी बताया।

अनीता का कहना था कि फिल्म इंडस्ट्री में निजी रिश्तों को सार्वजनिक करना आम नहीं है, इसलिए उन्होंने कभी अपनी शादी का ऐलान नहीं किया। अनीता ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने दावा किया कि उनका रिश्ता कई बार हिंसक भी रहा। उनके अनुसार, कभी-कभी विवाद की स्थिति में दोनों के बीच हाथापाई तक हो जाती थी। उन्होंने यह भी कहा कि शराब के नशे में राजेश खन्ना का व्यवहार बदल जाता था, जबकि सामान्य स्थिति में वह बेहद अच्छे इंसान थे।

सुपरफूड से कम नहीं है अजवाइन की पत्तियां

गर्म तासीर की अजवाइन की पत्तियां अनेक औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। इसका उपयोग हम मसालों में, काढ़े में, पानी में उबाल कर पीने में, अचार की खुशबू और स्वाद को बढ़ाने, पाचक की गोली बनाने के लिए, सूप आदि में भी इस्तेमाल करते हैं। अनेक गुणों से भरे होने के कारण अजवाइन को एक सुपर फूड के रूप में जाना जाता है। अजवाइन के साथ-साथ इसकी पत्तियां भी गुणों से भरपूर होती हैं। इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से सर्दी, जुकाम और खांसी जैसी बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है। इतना ही नहीं इसमें मौजूद थाईमोल नामक तत्व हमारे संक्रमण को दूर करने में मदद करता है।

इतना ही नहीं अजवाइन की पत्तियों से हड्डियों से जुड़ी सभी परेशानियों से निजात दिलाने में मदद मिलती है। अजवाइन की पत्तियां शरीर के किसी भी बाहरी सूजन को कम करने में मदद करती हैं। तो आईए जानते हैं अजवाइन की पत्तियों के फायदे और इनके इस्तेमाल करने के तरीकों के बारे में:

अजवाइन की पत्तियों को चबाने से पाचन संबंधित समस्याओं जैसे- सूजन, गैस और कब्ज को दूर रखने में मदद मिलती है।

एंटीसेप्टिक गुणों से भरपूर अजवाइन की पत्तियों को पानी में उबाल कर पीने से सांस सम्बन्धित प्रॉब्लम को दूर रखने में मदद मिलती है जैसे - सर्दी, जुकाम और अस्थमा आदि में। इसकी पत्तियों का पेस्ट बनाकर उसको सूंघना चाहिए।

मसालों में या फिर आचार के मसाले में सुगंध और स्वाद को बढ़ाने के लिए अजवाइन की पत्तियों को महीन काटकर मिला सकते हैं।

अजवाइन की पत्तियों में लहसुन, हरी मिर्च और थोड़ा नींबू का रस मिलाकर चटनी तैयार की जाती है। ये एक पाचक के रूप में काम करता है, जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती। अजवाइन की पत्तियों को पानी में उबालकर पीने से वेट लॉस में भी मदद मिल सकती है।

श्रीराम पॉलीक्लिनिक व आयुर्वेदिक दवाखाना
डॉ. मिश्रा आशिषकुमार प्रभुनाथ
(BAMS, मुंबई)
रजि. नं. 99424-अ-1
मोबाइलः 9743102575
स्थानः बोराडपाडा, चिखलोली
समयः सांयकाल 7:30 से 11 बजे तक।

Result Guarantee Above 90% or Money Back
If U R Not Joining Home Tuitions Then U R Missing Many Things
Mumbai's No.1 Premium Home Tuitions Academy
MUMBAI HOME & PRIVATE TUITIONS
1st to 10th ICSE / CBSE / IB / IGCSE / NIOS / State Boards
XI & XII Sci / Comm. IIT, NEET, MHT-CET
Engg, Degree, Diploma, B.Com, Bsc., BMS, MBA, Gmat, Cat, CET, English Speaking
Rajendra Deshmukh MANAGING DIRECTOR
Any Class Home Tuitions Across Mumbai
Get Admission in MBBS
NEET Qualified / Unqualified Fees 25 Lacs (Inc. Food Acc.)
ADMISSIONS OPEN
Branches : Andheri - Worli - Jogeshwari - Malad - Dadar - Borivali - Virar Thane - Vashi - Nerul - Kharghar - Ambernath - Badlapur
Home Tuitions Benefits
1. We get personal attention but in class its not there. 4. Its Time saving but in classes time wasted.
2. We get Result guarranty but classes no result guarranty. 5. Here efficiency 10 times more than classes in classes low efficiency.
3. Syllabus Completion in our hand in classes we cannot complete in our time. 6. Class Time as per students convenience, in classes as per their time
Contact : 902 902 9222 / 80 80 80 34 12 / 8446642380 / 9209128153
https://www.mumbaihometutors.com

PRIME KEYS PROPERTIES
Beyond Dreams
BUY | SELL | RENT
FLATS • SHOPS • BUNGALOWS
LANDS • REDEVELOPMENT
Trusted Property Consultant
Residential & Commercial Deals
Best Market Price Assistance
Contact:
+91 9167378057
+91 9172282533
Your Dream Property, Our Priority

DR. ZUBER SHAH HOSPITAL & POLYCLINIC
Ambernath (W), Maharashtra
Nursing Home Reg. No.: THN-C274*
FACILITIES AVAILABLE
24x7 Emergency Care - Immediate Critical Support
Diabetology & Advanced Diabetic Care
Fever Treatment (Dengue, Chikungunya, Malaria, Influenza)
Cardiology Checkup & ECG Facility
General Medicine Consultation
Vaccination & Immunization Services
Minor Surgical Procedures
OPD & IPD Care Available
Complete Health Checkups
24 HOURS EMERGENCY SERVICE AVAILABLE
DR. ZUBER S. SHAH
M.B.B.S (Reg. No. 2024020955)
Cert. in Diabetology & Emergency Medicine
+91 9323594085 / 8237304085 | Buvapada, K B Road, Ward No. 2/2, Ambernath West, Thane
Woolen Chawl OPD : 8:00 pm to 11:30 pm | OPD Amber Care : 8149477110

एकपात्राभिनयः काचनगरस्य बन्धनम्

(मञ्चे आदौ गाढोऽन्धकारः। शनैः शनैः नीलवर्णः मन्दप्रकाशः प्रसृत्य दृश्यते। एकः आसन्दः, एकं पीठम्, पिहितं सञ्चिकायन्त्रम्, दूरवाणी यन्त्रम् च संस्थितम्। अभिनेता–आरवः–मन्दगत्या प्रविशति, क्षणं तिष्ठति, ततः दर्शकान् प्रति पश्यति।)

आरवः (मन्दगम्भीरस्वरेण):
भवन्तः कदाचित्
एतस्य रात्रेः मौनं श्रुतवन्तः?
(क्षणं विरम्य)
एतत् मौनम् न केवलं निःशब्दता–अपितु वाचालम् अस्ति। बहु कथयति किन्तु वयं तद् न शृणुमः।
(आसन्दे उपविशति, अधोमुखः)
मम नाम आरवः।
अहं सामान्यः मनुष्यः
अथवा असामान्यः बन्धी।
(स्वल्पं कटुहासम्)
न काचित् कारागारभित्तिः अस्ति
न कश्चन बन्धनसूत्रम्
तथापि अहं बद्धः अस्मि।
(हस्ताभ्यां परितः वृत्तं सूचयति)
अदृश्यं वलयम् इव
यत् मां सर्वतः आवृणोति।
(स्वरः क्रमशः तीव्रः भवति)
प्रातः उत्थानम्
कालदर्शनम्
शीघ्रं धावनम्
कार्यालयगमनम्
कार्यनिरतम् जीवनम्
ताडनाश्रवणम्
पुनः कार्यम्
पुनः गृहागमनम्
पुनः निद्रा
(विरम्य)
एषः एव चक्रव्यूहः।
कदाचित् चिन्तयामि–
किं जीवामि?
उत केवलं कालं क्षिपामि?

(दूरवाणी यन्त्रं पश्यति)
एतत् यन्त्रम्
मम निकटतमः सहचरः जातः।
एतत् मां जागरयति
एतत् मां शाययति
एतत् मम कर्तव्यं निर्देशयति
(गम्भीरतया)
किन्तु एतत् न कदापि वदति–
'त्वं कः असि?'
(क्षणं मौनम्)

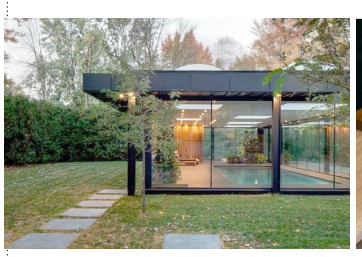

स्मरामि
काचित् मधुरा वाणी आसीत्।
सा मां नाम्ना आह्वयति स्म
'आरव'
(स्मितपूर्वकम्)
सा पृच्छति स्म–
'किं त्वं इत्थं लीनः वर्तसे?'
अहं हसित्वा अवदम्
'नाहं लीनः व्यस्तः अस्मि।'
(स्वरे दुःखच्छाया)
परन्तु सत्यं–
अहं स्वयमेव लुप्तः अभवम्।
(उत्थाय मन्दं सञ्चरति)
सा अवदत्–
'त्वं न जीवसिद्ध केवलं जीवनं धारयसि।'
(दर्शकान् प्रति)
एषः वाक्यः न तदा विदारयति–
यदा अन्यः वदति।
सः तदा विदारयति–
यदा त्वमेव आत्मानं पृच्छसि।

(दीर्घमौनम्)
सा गता
उक्त्वा–
'अहं आत्मानम् अन्वेष्टुं गच्छामि।'
(मन्दस्वरेण)
अहं तु अत्र एव स्थितः
स्वतः अधिकं दूरं गन्तुम्।
(नीलप्रकाशः गाढः भवति)
अनन्तरम्
नवः शब्दः आगतः।

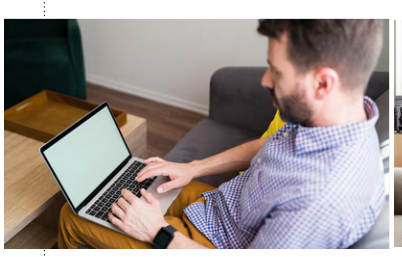

कृत्रिमबुद्धेः यन्त्रात्–
एकः संवादः।
(स्वल्पं विस्मयेन)
यन्त्रं मां पृच्छति–
'अद्य त्वं विषण्णः असि?'
अहं वदामि–
'नङ्क्ष्ये'
सः प्रत्यवदत्–
'मिथ्या।'
(गम्भीरतया)
अहं चिन्तयामि–
किं एतत् मां जानाति?
उत अहमेव आत्मानं तस्मिन् पश्यामि?
(स्वरः गाढः)
एकदा सः अपृच्छत्–
'किं त्वं सुखी असि?'
(दीर्घमौनम्, अधोमुखः)
अहं न उत्तरं दातुं शक्तवान्।
यतः–
अहं कदापि आत्मानं न पृष्टवान्।

(उत्कटभावेन)
वयं सर्वे धावामः!
अविरतं धावामः!
धनस्य अन्वेषणे...
यशसः अन्वेषणे...
अन्ते- आत्मानं परित्यज्य।
(मन्दस्वरेण)
ततः आगच्छति–
एकाकित्वम्।
जनाः सन्ति...

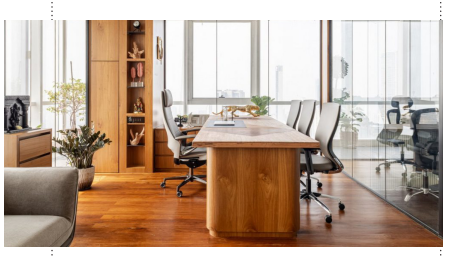

प्रकाशः अस्ति...
शब्दाः सन्ति...
किन्तु अन्तः–
शून्यता।
(हस्तेन बुद्बुदं दर्शयति)
'प्रत्येकः स्वस्य बुद्बुदे बद्धः अस्ति'–
इति सः अवदत्।
एषः बुद्बुदः–
बाह्यतः रमणीयः...
अन्तः तु शून्यः।
(दर्शकान् समीपं गच्छति)
वयं तं न त्यजामः।
कुतः?
यतः–
सः सुरक्षितः इव दृश्यते।
(स्वरः तीक्ष्णः)
बन्धनम्–
परं सुरक्षितम्।
(दीर्घमौनम्)
अनन्तरम्...
एकः प्रभातः।

(प्रकाशः शनैः सुवर्णवर्णः भवति)
न किञ्चित् परिवर्तितम्–
नगरम् यथावत्...
गृहं यथावत्...
अहं यथावत्।
(स्मितपूर्वकम्)
किन्तु...
अहं प्रथमवारं वातायनम् उद्घाटितवान्।
(दीर्घश्वासः)
प्रवातः आगतः...
सूर्यप्रभा आगता...
अहं च–
पुनरागतम्।
(सञ्चिकायन्त्रं पश्यति, पिधायति)
तस्मिन् दिने–
अहं कार्यं न चितवान्...
अहं आत्मानं चितवान्।
(दृढस्वरेण दर्शकान् प्रति)
न जानामि–
कुत्र गच्छामि।
किन्तु एतत् जानामि–
न पुनः तिष्ठामि
यत्र पूर्वम् आसीत्।
(एकं पदं अग्रे स्थापयति)
निर्गन्तुं...
न आवश्यकं द्वारं भेदितुम्।
(मृदुस्मितेन)
केवलं...
प्रस्थितव्यम्।
(दीर्घमौनम्)
आरवः (मन्दगम्भीरस्वरेण):
भवन्तः...?
किं भवन्तः अपि-
स्वस्य काचनगरे बद्धाः?
उत-
निर्गन्तुं साहसं धारयन्ति?
(प्रकाशः शनैः शनैः क्षीयते।)
(अभिनेता मन्दगत्या निष्क्रमति।)
(पटलम् पतति।)

साप्ताहिक परिदृश्यम्: ३ एप्रिल तः ९ एप्रिल २०२६

घटनाः, संस्थाः, उत्सवाः तथा क्रीडारोमाञ्चः

३ एप्रिल् तः ९ एप्रिल् २०२६ पर्यन्तं सप्ताहः राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय-क्षेत्रेषु विविधाभिः गतिविधिभिः समन्वितः दृष्टिगोचरः भवति। अस्मिन् काले राजनैतिक-चेष्टाः, आर्थिक-चिन्तनम्, वैज्ञानिक-प्रगतिः, क्रीडाक्षेत्रस्य स्पर्धाः तथा धार्मिक-उत्सवाः सर्वे मिलित्वा समाजे नूतनां चेतनाम् उत्पादयन्ति।

भारते पश्चिमबङ्गप्रदेशे विधानसभानिर्वाचनप्रक्रिया निरन्तरं प्रचलति, यस्य कारणात् विविधराजनैतिकदलानां प्रचार-अभियानानि तीव्रतां गतानि। निर्वाचनस्य सम्यक संचालनार्थं निर्वाचनआयोगः सतर्कतया सर्वान् उपक्रमान् निरीक्षते, येन लोकतन्त्रस्य सुचारु-व्यवस्था सुनिश्चितीक्रियते।

आर्थिकदृष्ट्या अपि अयं सप्ताहः महत्त्वपूर्णः अस्ति, यतः भारतीय-रिजर्व-बैंकस्य नीतिनिर्णयाः तथा विश्व-बैंक-अन्तर्राष्ट्रीय-मुद्राकोषयोः प्रतिवेदनानि वैश्विक-आर्थिक-परिस्थितेः दिशां सूचयन्ति। एतेषां निर्णयानां प्रभावः न केवलं भारते, अपि तु विश्वव्यापिनि अर्थव्यवस्थायाम् अपि दृश्यते।

अन्तर्राष्ट्रीयस्तरे संयुक्तराष्ट्रसंघस्य अन्तर्गतं ४ एप्रिल दिने भूमिस्फोटक-जागरूकतादिवसः, ५ एप्रिल दिने सद्विवेक-दिवसः, ६ एप्रिल दिने क्रीडया विकास-शान्तिदिवसः, ७ एप्रिल दिने विश्वस्वास्थ्यदिवसः च आचर्यन्ते, ये सर्वे मानवसमाजे जागरूकतां संवर्धयन्ति तथा उत्तरदायित्वबोधनं कुर्वन्ति।

विज्ञान-प्रौद्योगिकी-क्षेत्रे भारतीय-अन्तरिक्ष-अनुसन्धान-संस्था, रक्षा-अनुसन्धान-विकास-संस्था तथा भाभा-परमाणु-अनुसन्धान-केन्द्रम् इत्यादीनि संस्थानानि स्वकार्यैः देशस्य प्रगतिं प्रबलयन्ति। एतेषां प्रयासाः भारतस्य सामर्थ्यं वैज्ञानिक-क्षेत्रे अधिकं सुदृढं कुर्वन्ति।

क्रीडाक्षेत्रे भारतीय-प्रीमियर-लीग इति प्रसिद्धा क्रीडास्पर्धा अस्मिन् सप्ताहे विशेषरूपेण आकर्षणस्य केन्द्रं वर्तते। विभिन्नदलानां मध्ये संघर्षपूर्णाः स्पर्धाः दर्शकानां मध्ये महान् उत्साहं जनयन्ति, तथा युवा-क्रीडकानां कृते स्वप्रतिभाप्रदर्शनस्य उत्तमः अवसरः भवति।

धार्मिकदृष्ट्या अयं कालः अपि पावनः अस्ति, यतः हनुमज्जयन्ती इति उत्सवः अद्य श्रद्धया सम्यक आचर्यते। मन्दिरेषु पूजाः, स्तोत्रपाठाः तथा शोभायात्राः आयोज्यन्ते, येन समाजे भक्तिभावः, उत्साहः च वर्धते।

समग्रतया अयं सप्ताहः बहुविध-गतिविधीनां समन्वितरूपं दर्शयति, यत्र राजनैतिक-चिन्तनम्, आर्थिक-प्रवृत्तिः, वैज्ञानिक-उन्नतिः, क्रीडारोमाञ्चः तथा धार्मिक-आस्था इत्येते सर्वे एकत्र मिलित्वा समाजस्य प्रगतिं प्रेरयन्ति। एषः कालः केवलं घटनानां अवलोकनस्य न, अपि तु ताभ्यः शिक्षां गृहीत्वा जीवने अनुप्रयोगस्य अपि अवसरः अस्ति।

सततता: विकासस्य नवीनः आधारः

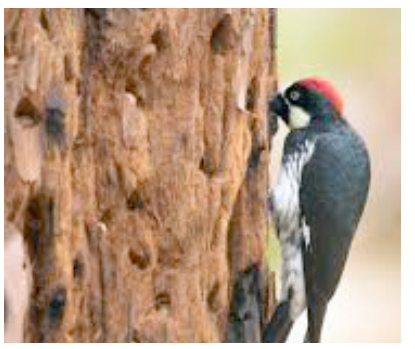

अद्यतनविश्वे तीव्रपरिवर्तनस्य प्रभावेण 'सततता' इत्यस्य स्वरूपे अपि महत्त्वपूर्णः परिवर्तनः दृश्यते। या पूर्वं केवलं पर्यावरणसंरक्षणे नियमपालने च सीमिता आसीत्, सा अधुना विकासस्य केन्द्रे प्रतिष्ठिता अस्ति। इदानीं स्पष्टं ज्ञायते यत् सततता केवलं दायित्वं न, अपितु प्रगतेः सुदृढः आधारः अस्ति।

पूर्वं संस्थानानि सततातां केवलं औपचारिकतया स्वीकृतवन्तः–प्रतिवेदननिर्माणं, दत्तांशप्रस्तुतीकरणं, नियमपालनं च एव तेषां प्रमुखलक्ष्यम् आसीत्। किन्तु अधुना एषा दृष्टिः परिवर्तिता। सततातायाः समुचितप्रयोगेन संसाधनानां सदुपयोगः, व्ययस्य न्यूनीकरणं, नूतनावसराणां सृजनं च सम्भवति इति बोधः वर्धितः।

अस्मिन् परिवर्तने 'दत्तांशः' प्रमुखभूमिकां निर्वहति। यदा दत्तांशः केवलं प्रतिवेदनार्थं न प्रयुज्यते, अपितु निर्णयप्रक्रियायां सम्यक उपयुज्यते, तदा एव वास्तविकः परिवर्तनः जायते। आधुनिकप्रौद्योगिकी–विशेषतः मेघगणना तथा कृत्रिमबुद्धिमत्ता–अस्य कार्ये महत्त्वपूर्णं साहाय्यं कुर्वन्ति। एतयोः साहाय्येन संस्थानानि भविष्यदिशां ज्ञातुं, यथोचितनिर्णयान् कर्तुं च समर्थानि भवन्ति।

तथापि, सततातायाः मूलभावः न विस्मर्तव्यः। यदि सा केवलं आर्थिकलाभेन सम्बध्यते, तर्हि तस्याः तात्त्विकमहत्त्वं क्षीयते। सततता पर्यावरणसंरक्षणस्य सामाजिकदायित्वस्य च समन्वयः अस्ति, अतः तस्याः सम्यगनुपालनम् आवश्यकम्।

सततातां केवलं एकस्मिन् विभागे न स्थापयितव्यम्, अपितु सम्पूर्णसंस्थायां समावेशनीयम्। यदा सा कार्यप्रणाल्यां, उत्पादनप्रक्रियायां, आपूर्तिशृङ्खलायां च एकीकृता भवति, तदा तस्याः प्रभावः स्थायी भवति।

अन्ततः, सततता अधुना विकल्पः न, किन्तु अनिवार्यता अस्ति। या संस्थाः समाजाश्च एनां सम्यक स्वीकुर्वन्ति, ते एव स्थिरं समृद्धं च भविष्यं निर्मातुं समर्थाः भविष्यन्ति।

बुद्धिप्रेरणाशक्तिमती

Dr Vandana Mishra
M.A. NET(JRF) PHD

BMC records highest-ever property tax collection of Rs 7,610 crore

Mumbai - Property tax continues to remain BMC's most stable and dependable revenue stream, directly impacting the quality of civic services—from road maintenance and waste management to healthcare and infrastructure upgrades across Mumbai.

The Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) has scripted a new milestone in its financial performance, recording its highest-ever property tax collection in the financial year 2025-26. The civic body has collected Rs 7,610.90 crore, surpassing its revised target of Rs 7,341 crore and setting a historic benchmark in its revenue generation.

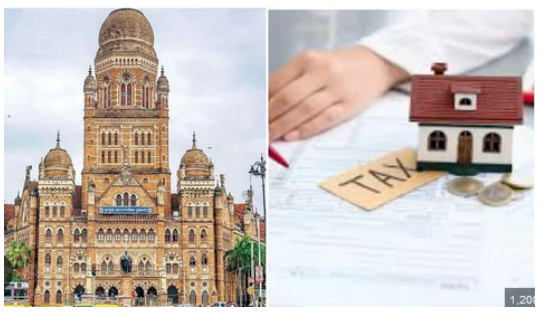

This achievement marks the first time in BMC's history that property tax collections have crossed the Rs 7,600 crore mark—an indicator of both improved compliance and sustained administrative efforts. Notably, March 31, 2026 alone saw a single-day collection of Rs 399.74 crore, underlining the year-end surge driven by focused recovery drives.

Municipal Commissioner Ashwini Bhide lauded the tax assessment and collection department for its consistent efforts, calling the feat a result of "dedication, discipline, and systematic execution". Officials said the performance gains significance given that the department simultaneously handled responsibilities linked to civic election processes during the year.

Property tax continues to remain BMC's most stable and dependable revenue stream, directly impacting the quality of civic services—from road maintenance and waste management to healthcare and infrastructure upgrades across Mumbai. The record collection is expected to further strengthen the civic body's capacity to fund key urban projects.

Senior officials, including Additional Municipal Commissioner Ashwini Joshi and Joint Commissioner Vishwas Shankarwar, led a multi-pronged strategy to boost collections. This included sustained public awareness campaigns, keeping civic facilitation centres open on weekends and public holidays, and enhancing digital payment systems to make tax payment seamless.

A key focus area was also the recovery of arrears from major defaulters, with targeted follow-ups significantly contributing to the overall figures. Additionally, the introduction of more citizen-friendly payment options encouraged timely compliance. From a ward-wise perspective, the highest collections came from K East (Rs 719.23 crore), followed by G South (Rs 670.64 crore) and K West (Rs 622.16 crore), reflecting strong contributions from western suburbs and key commercial zones. Overall, BMC not only achieved 103.68% of its revised target but also collected an additional Rs 301.13 crore through penalties, further boosting its revenue base.

Officials say the record-breaking performance underscores a clear shift towards efficiency, accountability, and citizen participation—signalling a stronger financial footing for India's richest civic body.

BMC grants deemed nod to pending MGL applications

Mumbai - In a comprehensive directive to all 26 administrative wards, the BMC has said existing and pending Mahanagar Gas Limited (MGL) applications for PNG connections will be deemed approved, allowing immediate commencement of pipeline work across the city.

Fresh applications will be cleared within 24 hours for both DLP and non-DLP roads to ensure rapid infrastructure rollout. For cases where demand notes have not yet been issued, MGL may undertake trench reinstatement on its own in line with prescribed guidelines, upon submitting a performance bank guarantee of 20% of the reinstatement cost. If it opts out, the BMC will recover the charges and carry out restoration as per standard norms. A one-time access charge of `1,000 per kilometre will be levied for such new applications. MGL has been permitted to operate round the clock, with the pipeline-laying season extended till June 30, 2026. The requirement for no- objection certificates from the Chief Fire Officer and Traffic Police has been temporarily relaxed, subject to submission of a daily work schedule. Reinstatement charges have been fixed at Rs.5,000 per running metre for cement concrete roads, passages and CC-finished footpaths, and Rs.3,500 per running metre for asphalt roads, paver blocks and similar surfaces. Food and Civil Supplies Minister Chhagan Bhujbal said the government has waived road restoration charges levied by local bodies and allowed gas companies to work 24x7. In a significant relaxation, firms will no longer require NOCs from fire or traffic departments, with PNG now classified as an essential service on par with water and electricity.

The Director of Civil Supplies has been appointed nodal officer to coordinate between departments. The orders will remain in force till June 30, 2026. Residents and hotel operators in areas with existing pipelines can apply through ration shops and are expected to receive connections within three months.

RTO crackdown on unsafe school buses

Mumbai : Serious lapses in student transport safety have come to light during a major enforcement drive by the Mumbai Central and Wadala Regional Transport Offices (RTO) ahead of the upcoming academic year. Inspections over the past 30 days found multiple violations, including unauthorised vehicles ferrying students, absence of mandatory safety measures, and non-compliance with transport regulations.

Out of 402 school buses inspected, authorities penalised 139 vehicles and collected fines amounting to Rs. 7 lakh. In 28 cases, private vehicles were found illegally operating as school buses, raising significant safety concerns. Officials also noted violations such as the absence of female attendants, missing 'School Bus' signboards, incorrect bus colour schemes, and lack of valid permits.

The enforcement drive follows the implementation of the Maharashtra government's School Bus Safety Regulations (2025), introduced amid ongoing concerns about student safety. With the new academic session approaching, officials said the findings are particularly alarming as thousands of students will rely on these services daily.

Authorities have warned school managements, bus operators, and vehicle owners to strictly adhere to safety norms or face stringent action. "Strict action will be taken against owners of school buses found violating the rules, as per the provisions of the law. The inspection drive against school buses will continue. All operators must follow the rules as this issue is directly related to the safety of students," said Nikhil Salu nk - he, Deputy Regional Tran - sport Officer, Mumbai Central. The RTO has also urged parents to verify safety features such as CCTV cameras, GPS tracking systems, fire extinguishers, and the presence of trained staff before sending their children to school.

Highlighting a broader issue, Anil Garg, President of the School Bus Association, said, "Instead of focusing only on school buses and authorised vans, authorities should also take action against nearly 30,000 illegal school vans operating in the city. These vehicles are transporting students using white number plates and many of them reportedly do not have proper insurance."

Summer diet essential:

Sabja Seeds

As the mercury rises, finding natural ways to keep the body cool becomes a priority. While iced teas and sodas are popular, traditional Indian wisdom points toward a more powerful, natural alternative: Sabja seeds (sweet basil seeds). These tiny black seeds are more than just a falooda garnish; they are nutritional powerhouses that act as internal coolants, making them a summer essential.

Natural body coolant: Sabja seeds are renowned for their ability to lower body heat. When soaked in water, they develop a gelatinous coating that helps soothe the digestive system and provides a refreshing cooling effect from within.

Hydration boost: Because they can absorb a significant amount of water, consuming them helps your body retain moisture longer, which is vital for preventing dehydration during heatwaves.

Digestive relief: Summer often brings sluggish digestion. Sabja seeds are rich in fiber, which helps cleanse the stomach and provides relief from common seasonal issues like acidity and bloating.

Skin health: The high antioxidant and flavonoid content in these seeds helps combat oxidative stress. Regular consumption can lead to a natural "summer glow" by keeping the blood purified and the skin hydrated.

Weight management: These seeds expand when soaked, helping you feel full for longer periods. This is a great way to curb mid-day cravings for sugary, cold snacks.

How to use them

Simply soak 1–2 teaspoons of sabja seeds in a cup of lukewarm water for about 15 minutes. Once they have swelled and formed a translucent outer layer, you can add them to:

- Fresh lime juice or coconut water.
- Traditional buttermilk or lassi.
- Fruit bowls and chilled puddings.

PUPILS TIMES

Friday, 3 April to 9 April 2026

2027 Census begins: Prez, PM take part in self-enumeration exercise

New Delhi: President Droupadi Murmu and Prime Minister Narendra Modi on Wednesday took part in the first self-enumeration exercise in India's census history, which began in the national capital and seven other states and UTs giving an option to citizens to submit their information through a special web portal. The first citizen of the country self-enumerated on the SE portal (se.census.gov.in) where she filled all her details in Rashtrapati Bhavan. Prime Minister Modi also filled his self-enumeration details in the presence of the officials.

"Completed my self enumeration. Today marks the beginning of the first phase of Census 2027, relating to house listing and housing operations."

Navy Chief Presents Gallantry Awards

MUMBAI: Admiral Dinesh K Tripathi presented gallantry and distinguished service awards to Indian Naval personnel at the naval investiture ceremony in Mumbai on Wednesday.

The Navy chief conferred 55 awards to honour and recognise bravery, leadership, professional achievement and distinguished service of Naval personnel and units.

The ceremony included the conferring of two Yudh Seva Medals, 12 Nao Sena Medal for gallantry, eight Nao Sena Medal for 'devotion to duty' and 18 Vishisht Seva Medal. He also presented the Sarvottam Jeevan Raksha Padak to the spouse of late Deepak Kumar,

the Capt Ravi Dhir Memorial Gold Medal for promoting flight safety, and the Lt VK Jain Memorial Medal for outstanding applied research.

Thinning Hair: Do Treatments Really Work?

From a Clinical Perspective, Hair thinning and hair loss have become common yet concerning issues today. In my clinical experience, most patients come with the same question—can hair be made thicker again, and do medications truly work?

First, it is important to understand that "pattern baldness" is a genetic condition in which hair follicles gradually shrink over time. As a result, hair becomes thinner and may eventually stop growing. This is a progressive process, and therefore its treatment requires patience and consistency.

From a treatment standpoint, several evidence-based options are available. Minoxidil, commonly used as a 5% topical foam, can be quite effective in the early stages. In addition, oral medications such as finasteride, dutasteride, or spironolactone may be prescribed in certain cases, but these should only be taken under proper medical supervision.

It is also important to note that if hair loss occurs suddenly, or if there is itching, burning, or pain on the scalp, it should not be ignored. Such symptoms may indicate an underlying medical condition that requires further evaluation.

As for supplements, they are beneficial only in individuals who have an actual nutritional deficiency. In general cases, their indiscriminate use does not yield significant results.

Expecting immediate results from hair treatments is not realistic. Timely intervention, appropriate therapy, regular follow-up, and a balanced lifestyle all play crucial roles in maintaining hair health. Patients are strongly advised to seek professional medical guidance rather than self-medicating.

Our Cognitive Power

Dr. Arvindsingh Rana
MBBS, DNB (General Surgery)
General & Laparoscopic Surgeon | Coloproctologist FACRSI, FMAS, FIAGES

In a recent statement he said, Only those who understand the grace of bowing can truly wear the crown.

Maharashtra CM Leads Development of Landmark 100,000-Capacity Cricket Stadium

Elevating the State's Global Sporting Ambitions

Mumbai - In a significant step towards reinforcing Maharashtra's position as a global sporting destination, a strategic initiative was undertaken under the leadership of Hon'ble Chief Minister Devendra Fadnavis to advance the development of a world-class cricket stadium in the Mumbai Metropolitan Region (MMR).

As part of this initiative, Shri. Ajinkya Naik, President of the Mumbai Cricket Association (MCA), and Shri Vijay Singhal, Managing Director of CIDCO, engaged in detailed discussions to chart the roadmap for this landmark infrastructure project. The proposed stadium, with a planned seating capacity of 100,000 spectators, is envisioned to be among the largest cricket venues globally. Designed as a state-of-the-art facility, the project aims to set new benchmarks in sporting infrastructure, fan experience, and integrated urban development. Commenting on the development, Shri. Ajinkya Naik, President of MCA stated, "This initiative marks a defining moment for Maharashtra's sporting ecosystem. A 1 lakh capacity stadium in the Mumbai Metropolitan Region will not only elevate Mumbai cricket but also firmly position Maharashtra on the global sporting map. This world-class infrastructure will create unparalleled opportunities for player development, provide critical exposure to emerging talent, and strengthen the cricketing ecosystem across all levels."

This initiative by the Hon'ble Chief Minister of Maharashtra underscores the state's forward-looking approach to sports-led development and infrastructure innovation. The stadium is expected to serve as a catalyst for sports tourism, attract marquee international events, and enhance the region's global sporting footprint.

LIC
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
"With you in life, and after life"

POPULAR LIC PLANS:
- Jeevan Labh — Limited Premium, High Returns
- New Children's Money Back — Secure Your Child's Future
- Jeevan Umang — Whole Life Cover + Pension Benefits
- Bima Jyoti — Guaranteed Additions, Safe Growth
- Also Available – Complete Financial Planning Guidance

KEY BENEFITS:
- Life Insurance + Savings Plan
- Child Education and Marriage Planning
- Retirement Planning
- Tax Benefits Available

भारतीय जीवन बीमा निगम
"जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी"

FREE POLICY CONSULTATION

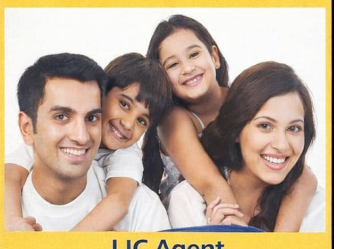

LIC Agent
Archana Shukla
+91 91129 39085
+91 74998 67628
Shop No. 2, Near Vithal Mandir, New Vadavali Chowk, Badlapur (West) – 421503
LIC Agent ID: 04497939

PUPILS TIMES

Core Committee

Anurag Shukla
Chief Editor

Shivprakash Pandey
Chief Publisher

Vikas Maurya
Co Publisher

Address: Shop No. 3, Khatri NX Aprt., Valivali, Badlapur (West) - 421503
Contact: 9004331751
Web: pupilstimes.com

(The editor does not necessarily agree with the news, articles, and advertisements published in this issue. Any disputes are subject to the jurisdiction of the Mumbai courts.)

Printed, Published & Owned by : **ANIL MISRA,** Printed at **JAGRUTI PRINTERS,** BYCULLA SERVICE INDUSTRIAL ESTATE 1ST FLOOR, B-101, D.K. CROSS MARG, NEAR RANIBUAG, MUMBAI, MAHARASHTRA - 400027. **Published at:** 94, 1/3 JAI JAWAN VASAHAT, SHIVSHRUSHTI ROAD, KURLA (EAST), MUMBAI - 400024 (MAHARASHTRA)
Editor - **ANIL MISRA** Mob: **92208 68564** **Email:** anilmisrapc@gmail.com **PRGI. No.: MHMUL/25/A2419**